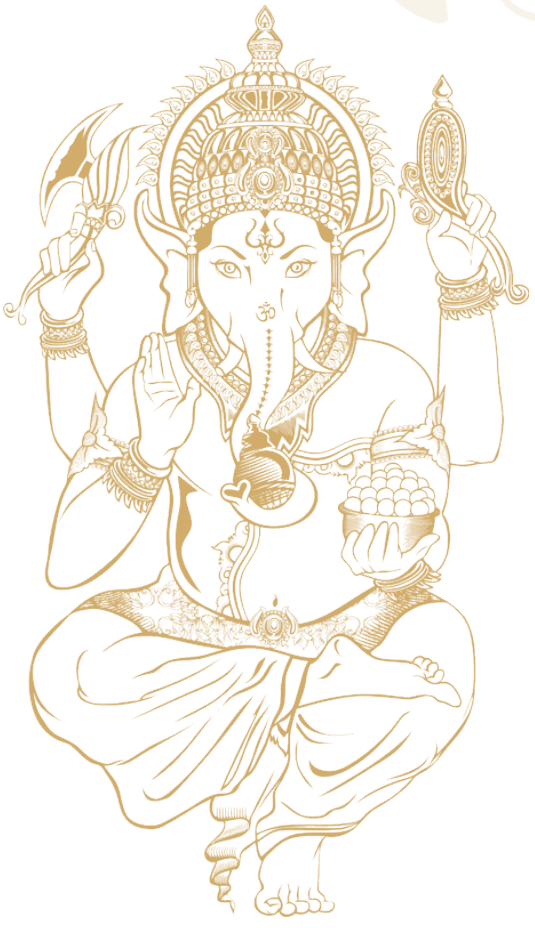

Mr.rana ji

22 Sep 2025

08:15 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119532003

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22/09/2025	जन्म तिथि	**22/09/2025**
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	08:15:00 घंटे
घटी 05:13:28	जन्म समय(घटी)	05:13:28 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:36	सूर्योदय	06:09:36
18:17:33	सूर्यास्त	18:17:33
24:13:03	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	4
शुक्ल	योग	शुक्ल
किंस्तुघ्न	करण	किंस्तुघ्न
पी-पीयूष	जन्म नामाक्षर	पी-पिंगला
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
गौ	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मूषक
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	3	01:48:34	तुला			लग्न			तुला	01:48:34	3	चित्रा
उ०फाल्गुनी	3	05:08:52	कन्या			सूर्य			कन्या	05:08:52	3	उ०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	4	08:23:11	कन्या			चंद्र			कन्या	08:23:11	4	उ०फाल्गुनी
चित्रा	4	05:38:18	तुला			मंगल			तुला	05:38:18	4	चित्रा
हस्त	1	12:16:11	कन्या		अ	बुध		अ	कन्या	12:16:11	1	हस्त
पुनर्वसु	3	27:04:18	मिथु			गुरु			मिथु	27:04:18	3	पुनर्वसु
मघा	3	08:56:45	सिंह			शुक्र			सिंह	08:56:45	3	मघा
उ०भाद्रपद	1	04:13:27	मीन	व		शनि	व		मीन	04:13:27	1	उ०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	2	24:09:10	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	24:09:10	2	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	4	24:09:10	सिंह	व		केतु	व		सिंह	24:09:10	4	पू०फाल्गुनी
कृतिका	4	07:08:26	वृष	व		मु			तुला	01:48:34	3	चित्रा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

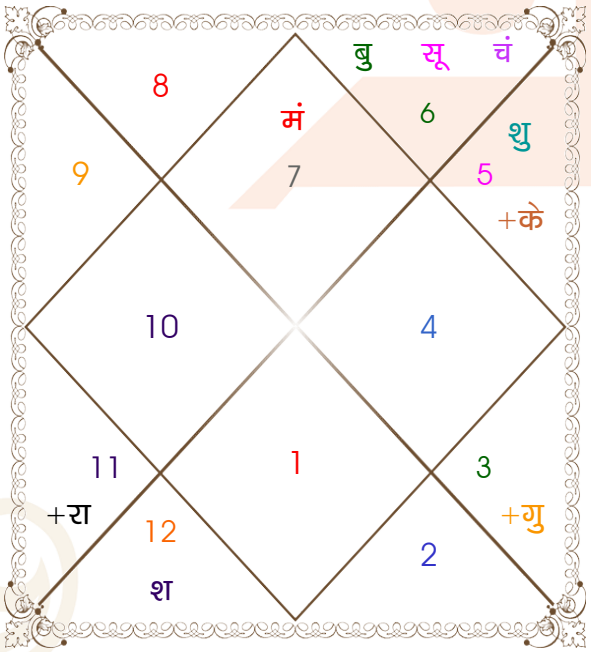

वर्ष लग्न कुंडली

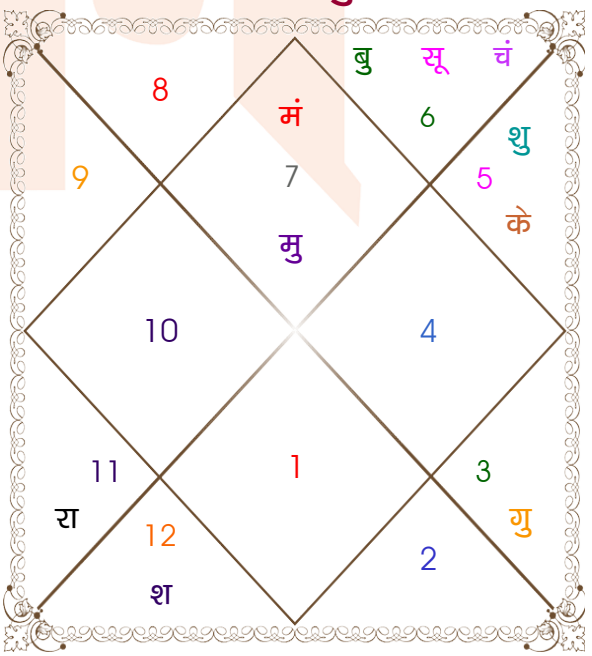

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - शुक्र - चंद्र		सूर्य - शुक्र - मंगल		सूर्य - शुक्र - राहु		सूर्य - शुक्र - गुरु	
22/09/2025 08:15		01/10/2025 20:52		23/10/2025 04:13		16/12/2025 23:07	
01/10/2025 20:52		23/10/2025 04:13		16/12/2025 23:07		03/02/2026 15:55	
	00/00/0000 00:00	मंगल	03/10/2025 02:42	राहु	31/10/2025 09:28	गुरु	23/12/2025 10:58
	00/00/0000 00:00	राहु	06/10/2025 07:24	गुरु	07/11/2025 16:47	शनि	31/12/2025 04:01
	00/00/0000 00:00	गुरु	09/10/2025 03:35	शनि	16/11/2025 08:58	बुध	07/01/2026 01:36
	00/00/0000 00:00	शनि	12/10/2025 12:33	बुध	24/11/2025 03:15	केतु	09/01/2026 21:47
	22/09/2025 08:15	बुध	15/10/2025 12:59	केतु	27/11/2025 07:57	शुक्र	18/01/2026 00:35
बुध	23/09/2025 11:59	केतु	16/10/2025 18:49	शुक्र	06/12/2025 11:06	सूर्य	20/01/2026 11:01
केतु	25/09/2025 06:36	शुक्र	20/10/2025 08:03	सूर्य	09/12/2025 04:51	चंद्र	24/01/2026 12:25
शुक्र	30/09/2025 08:21	सूर्य	21/10/2025 09:37	चंद्र	13/12/2025 18:25	मंगल	27/01/2026 08:36
सूर्य	01/10/2025 20:52	चंद्र	23/10/2025 04:13	मंगल	16/12/2025 23:07	राहु	03/02/2026 15:55

सूर्य - शुक्र - शनि		सूर्य - शुक्र - बुध		सूर्य - शुक्र - केतु		चंद्र - चंद्र - चंद्र	
03/02/2026 15:55		02/04/2026 11:52		24/05/2026 05:43		14/06/2026 13:04	
02/04/2026 11:52		24/05/2026 05:43		14/06/2026 13:04		09/07/2026 21:49	
शनि	12/02/2026 19:41	बुध	09/04/2026 19:48	केतु	25/05/2026 11:33	चंद्र	16/06/2026 15:48
बुध	21/02/2026 00:19	केतु	12/04/2026 20:15	शुक्र	29/05/2026 00:47	मंगल	18/06/2026 03:19
केतु	24/02/2026 09:16	शुक्र	21/04/2026 11:13	सूर्य	30/05/2026 02:21	राहु	21/06/2026 22:38
शुक्र	06/03/2026 00:36	सूर्य	24/04/2026 01:19	चंद्र	31/05/2026 20:57	गुरु	25/06/2026 07:48
सूर्य	08/03/2026 22:00	चंद्र	28/04/2026 08:48	मंगल	02/06/2026 02:47	शनि	29/06/2026 08:11
चंद्र	13/03/2026 17:39	मंगल	01/05/2026 09:14	राहु	05/06/2026 07:29	बुध	02/07/2026 22:25
मंगल	17/03/2026 02:37	राहु	09/05/2026 03:31	गुरु	08/06/2026 03:40	केतु	04/07/2026 09:56
राहु	25/03/2026 18:49	गुरु	16/05/2026 01:06	शनि	11/06/2026 12:38	शुक्र	08/07/2026 15:23
गुरु	02/04/2026 11:52	शनि	24/05/2026 05:43	बुध	14/06/2026 13:04	सूर्य	09/07/2026 21:49

चंद्र - चंद्र - मंगल		चंद्र - चंद्र - राहु		चंद्र - चंद्र - गुरु		चंद्र - चंद्र - शनि	
09/07/2026 21:49		27/07/2026 15:57		11/09/2026 07:42		21/10/2026 21:42	
27/07/2026 15:57		11/09/2026 07:42		21/10/2026 21:42		09/12/2026 02:19	
मंगल	10/07/2026 22:41	राहु	03/08/2026 12:19	गुरु	16/09/2026 17:34	शनि	29/10/2026 12:50
राहु	13/07/2026 14:36	गुरु	09/08/2026 14:25	शनि	23/09/2026 03:47	बुध	05/11/2026 08:41
गुरु	15/07/2026 23:25	शनि	16/08/2026 19:54	बुध	28/09/2026 21:46	केतु	08/11/2026 04:09
शनि	18/07/2026 18:53	बुध	23/08/2026 07:08	केतु	01/10/2026 06:35	शुक्र	16/11/2026 04:56
बुध	21/07/2026 07:15	केतु	25/08/2026 23:03	शुक्र	08/10/2026 00:55	सूर्य	18/11/2026 14:46
केतु	22/07/2026 08:07	शुक्र	02/09/2026 13:41	सूर्य	10/10/2026 01:37	चंद्र	22/11/2026 15:09
शुक्र	25/07/2026 07:08	सूर्य	04/09/2026 20:28	चंद्र	13/10/2026 10:47	मंगल	25/11/2026 10:37
सूर्य	26/07/2026 04:26	चंद्र	08/09/2026 15:47	मंगल	15/10/2026 19:36	राहु	02/12/2026 16:06
चंद्र	27/07/2026 15:57	मंगल	11/09/2026 07:42	राहु	21/10/2026 21:42	गुरु	09/12/2026 02:19

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।